Daily Current Affairs

Date : 26 July, 2025

UTKARSH CLASSES — CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना
2.	राजस्थान में कंप्रेस्ड बायो गैस प्रोजेक्ट
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. सिलीसेढ़ झील (अलवर) 2. अर्चना बिलोनिया और पवन कुमावत 3. RUHS और कोइटा फाउंडेशन के बीच MoU 4. आभा आईडी में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर 5. राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक, 2024 6. मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान पहले पायदान पर
4.	20 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त
5.	आदि तिरुवथिरई उत्सव
6.	संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)
7.	अल्ट्रा लाइट प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन-V3 (ULPGM-V3)
8.	शेरपा मेचा : मानव रोबोट
9.	कारगिल विजय दिवस
10.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. चीफ मिनिस्टर्स फॉरेन लैंग्वेज इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल ह्यूमन टैलेंट (CM-FLIGHT) 2. ‘को-माय’

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना

➲ **चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में, राजस्थान के देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने 'वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना' के पंजीकरण हेतु पोर्टल का शुभारंभ किया।

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **पंजीकरण की तिथि :** 18 जुलाई से 10 अगस्त, 2025
- राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग द्वारा वर्ष 2013 से रेल यात्रा और वर्ष 2016 से हवाई यात्रा द्वारा राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा कराने की शुरुआत की गई।
- देवस्थान विभाग द्वारा यात्रा का आयोजन तथा निर्धारित यात्रा का व्यय किया जाता हैं|
- राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 56,000 बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा पर भेजा जाएगा।
- राजस्थान राज्य बजट - 2025-26 में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 6,000 वरिष्ठ नागरिकों को हवाई मार्ग से तथा 50,000 वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित रेल से तीर्थ यात्रा करवाए जाने की घोषणा की गई थी।
- तीर्थयात्रियों का चयन जिला स्तरीय कमेटी द्वारा लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पात्रता:

- राजस्थान का मूल निवासी हो।
- 60 वर्ष से अधिक आयु का हो। (1 अप्रैल, 2025 के आधार पर)
- आवेदक स्वयं एवं जीवनसाथी (पति या पत्नी) आयकरदाता न हो।
- पूर्व में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना का लाभ न उठाया हो।
- स्वयं एवं जीवन साथी केंद्र सरकार, राज्य सरकार, केंद्र और राज्य सरकार के उपक्रम, स्थानीय निकाय से सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी ना हो।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 06 जून, 2025 (निर्जला एकादशी) को दुर्गापुरा (जयपुर) रेलवे स्टेशन से 'राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सिंधु दर्शन तीर्थयात्रा योजना:

- **योजना की शुरुआत :** 1 अप्रैल, 2016
- इस योजना के तहत कुल यात्रा व्यय के अधिकतम 50 प्रतिशत (अधिकतम ₹15,000) की प्रतिपूर्ति जाती है।
- **विभाग :** देवस्थान विभाग।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में कंप्रेस्ड बायो गैस प्रोजेक्ट

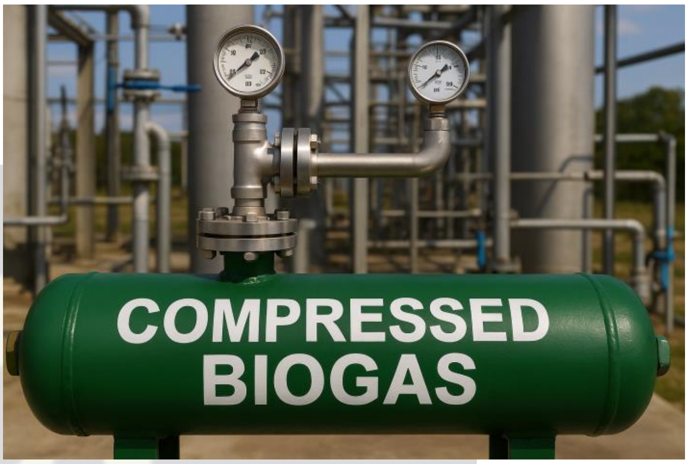

➲ चर्चा में क्यों?

- राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL) में ₹74,000 करोड़ के कंप्रेस्ड बायो गैस (CBG) प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड किए गए हैं।

➲ मुख्य बिंदु :

- इन प्रोजेक्ट्स के तहत खेतों के वेस्ट और नेपीयर घास (हाथी घास/युगांडा घास) से बायो गैस का उत्पादन किया जाएगा।
- इन प्रस्तावों में सबसे बड़ा निवेश रिलायंस समूह का है, जिसका प्रोजेक्ट ₹58,000 करोड़ का है।
- यह उत्पादन मॉडल आंध्र प्रदेश में अपनाए गए सफल मॉडल की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।
- कंप्रेस्ड बायो गैस उत्पादन के लिए मुख्य रूप से नेपीयर घास का उपयोग किया जाएगा, जिससे राज्य में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित होगा।
- **संपीड़ित बायोगैस/कंप्रेस्ड बायो गैस (CBG) :** यह एक स्वच्छ और नवीकरणीय ईंधन है, जिसे जैविक अपशिष्ट; जैसे - कृषि अवशेष, पशु गोबर, खाद्य अपशिष्ट आदि के अवायवीय

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पाचन (Anaerobic Digestion) द्वारा तैयार किया जाता है, जिसे प्राकृतिक गैस की तरह उच्च दबाव पर संपीड़ित (Compress) किया जाता है।

- भारत सरकार ने SATAT (सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन) योजना के तहत संपीड़ित बायोगैस उत्पादन को प्रोत्साहन दिया है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL)

- **गठन :** अगस्त, 2002 में पूर्ववर्ती राजस्थान एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (REDA) और राजस्थान स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RSPCL) के विलय से।
- कंपनी अधिनियम 1956 के तहत पंजीकृत।
- RRECL का उद्देश्य राज्य में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए एक राज्य नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**सिलीसेढ़ झील (अलवर)** ♦ 23 से 31 जुलाई, 2025 तक जिम्बाब्वे के विक्टोरिया फॉल्स में आयोजित रामसर आर्द्रभूमि कन्वेंशन (COP-15) के दौरान केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर की प्रतिष्ठित सिलीसेढ़ झील को रामसर साइट घोषित किए जाने का प्रस्ताव रखा। ♦ रामसर स्थल के रूप में नामित होने से सिलीसेढ़ झील को आर्द्रभूमि (वेटलैंड) के रूप में अंतरराष्ट्रीय मान्यता, संरक्षण और सतत विकास तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसर मिलेंगे। ♦ वर्तमान में राजस्थान में 4 रामसर आर्द्रभूमि स्थल है। ये हैं: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, सांभर झील, खीचन और मेनार।
2.	**अर्चना बिलोनिया और पवन कुमावत** ♦ 16 से 19 जुलाई, 2025 तक थाईलैंड के पटाया में आयोजित 12वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग व बेंच प्रेस चैंपियनशिप में सीकर की अर्चना बिलोनिया ने दो स्वर्ण पदक जीते। ♦ अर्चना ने 80 प्लस किलोग्राम सीनियर महिला वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीते और स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। ♦ साथ ही, इसी प्रतियोगिता में जयपुर के पवन कुमावत ने कांस्य पदक जीता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**RUHS और कोइटा फाउंडेशन के बीच MoU** ♦ हाल ही में, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (RUHS), जयपुर और कोइटा फाउंडेशन, मुम्बई के बीच डिजिटल हेल्थ फाउंडेशन कोर्स (DHFC) प्रारंभ करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।
4.	**आभा आईडी में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर** ♦ आमजन के हेल्थ रिकॉर्ड को डिजिटली संधारित करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम बनाने के लिए शुरू की गई आभा आईडी में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। ♦ राजस्थान में अब तक 6 करोड़ 30 लाख से अधिक लोगों की आभा आईडी बनाई जा चुकी है। ♦ ABHA आईडी, जिसे आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (ABHA) के रूप में भी जाना जाता है, एक 14-अंकीय विशिष्ट आईडी है जो भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवा को डिजिटल बनाने के लिए शुरू की गई है। ♦ यह आईडी व्यक्तियों को अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने, एक्सेस करने और साझा करने की अनुमति देती है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की दक्षता में सुधार होता है।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5.	**राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक, 2024** ♦ हाल ही में, राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक, 2024 हेतु 21 विधायकों की प्रवर समिति का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष कन्हैया लाल चौधरी को बनाया गया है। ♦ राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक, 2024 को राज्य के भीतर भू-जल संसाधनों का संरक्षण और प्रबंध करने, इनका विनियमन करने, प्रबंध के माध्यम से भू-जल संसाधनों का उचित, साम्यपूर्ण और वहनीय उपयोग सुनिश्चित करने, भू-जल निकासी के उपयोग के लिए दरें नियत करने के लिए एक प्राधिकरण की स्थापना करने हेतु लाया गया।
6.	**मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान पहले पायदान पर** ♦ केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2016 में अधिसूचित किए गए प्रावधानों से अब तक पूरे देश में प्रधान खनिजों के 500 ब्लॉक आवंटित हुए हैं, इनमें से राजस्थान में देश के 20 प्रतिशत से अधिक यानी 103 ब्लॉक आवंटित हुए है। ♦ इस प्रकार राजस्थान पूरे देश में मेजर मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी में पहले पायदान पर पहुंच गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

20 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त

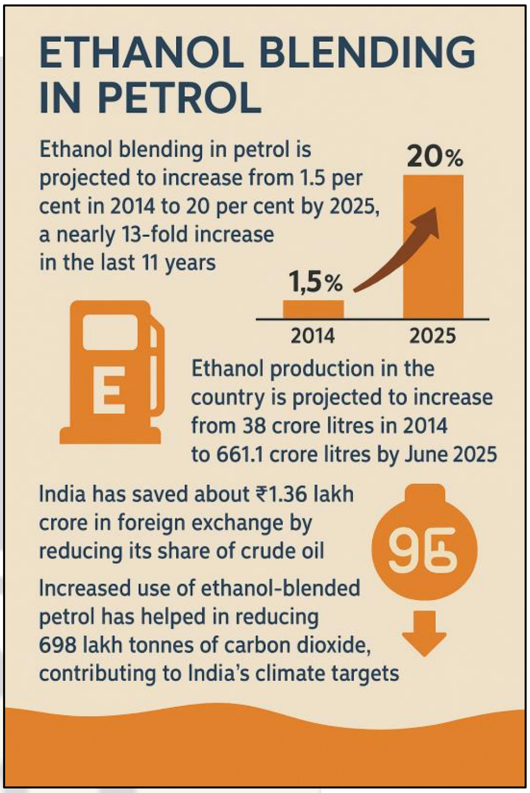

➲ चर्चा में क्यों?

- भारत ने वर्ष 2030 के लिए निर्धारित अपने मूल लक्ष्य से पांच वर्ष पहले (2025 में) पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया।

➲ मुख्य बिंदु :

- पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण वर्ष 2014 में मात्र 1.5 प्रतिशत था जो वर्ष 2025 में बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया, यह विगत 11 वर्षों में लगभग 13 गुना वृद्धि को दर्शाता है।
- देश में इथेनॉल उत्पादन वर्ष 2014 के 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून, 2025 तक 661.1 करोड़ लीटर हो गया है।
- भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कम करके विदेशी मुद्रा में लगभग 1.36 लाख करोड़ रुपये की बचत की है।
- इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के बढ़ते उपयोग ने भारत के जलवायु लक्ष्यों में योगदान देते हुए 698 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इथेनॉल:

- इथेनॉल एक जैव-ईंधन (Biofuel) है, जो गन्ने, मक्का, ज्वार आदि जैसी फसलों से प्राप्त चीनी (शर्करा) के किण्वन (Fermentation) द्वारा बनाया जाता है।
- पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण का अर्थ है पेट्रोल में एक निश्चित अनुपात में इथेनॉल (Ethanol) मिलाकर उसका उपयोग वाहन ईंधन के रूप में करना।
- **इथेनॉल ब्लैण्डेड कार्यक्रम (E20 ईंधन) :** 4 जून, 2018 को अधिसूचित राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति-2018 में 2030 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण और डीजल में 5 प्रतिशत बायोडीजल मिश्रण का सांकेतिक लक्ष्य रखा गया था।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

पीएम जी-वन योजना

- **पूरा नाम :** प्रधानमंत्री जैव ईंधन-वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण (JI-VAN) योजना।
- **शुरुआत :** मार्च, 2019
- **उद्देश्य :** उन्नत जैव ईंधन परियोजनाओं को बढ़ावा देना।
- यह योजना देश में दूसरी पीढ़ी की एथेनॉल परियोजनाओं की स्थापना के लिए एकीकृत जैव-इथेनॉल परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए लॉन्च की गई थी।
- योजना का कुल वित्तीय परिव्यय वर्ष 2018-19 से 2023-24 की अवधि के लिए 1969.50 करोड़ रुपये था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आदि तिरुवथिरई उत्सव

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में 23 से 27 जुलाई, 2025 तक तमिलनाडु के गंगैकोण्ड चोलपुरम में आदि तिरुवथिरई महोत्सव का आयोजन किया गया।**

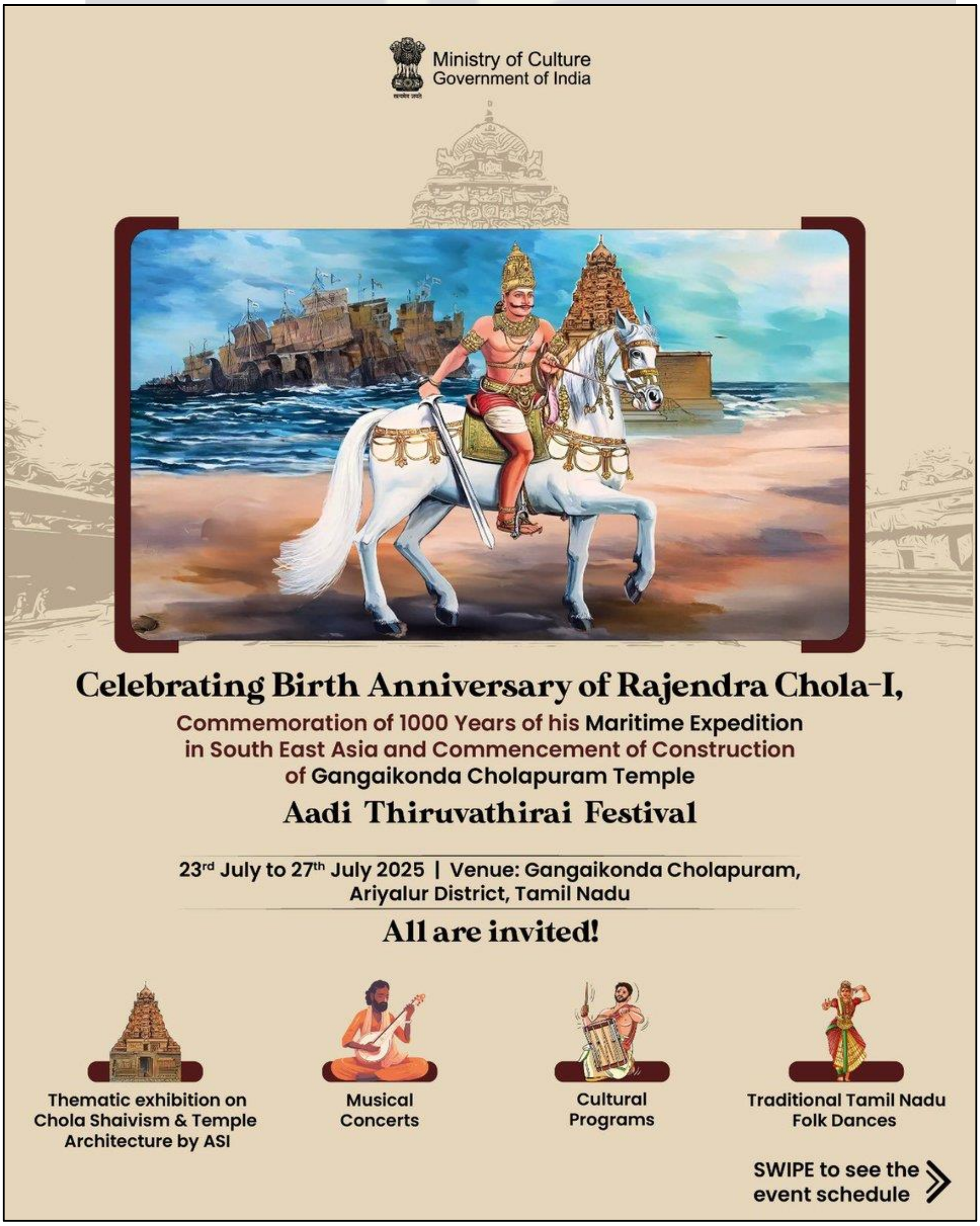

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ मुख्य बिंदु :

- **यह महोत्सव राजेंद्र चोल प्रथम के दक्षिण-पूर्व एशिया में समुद्री अभियान की 1,000वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया।**
- **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) चोल शैव धर्म और मंदिर वास्तुकला पर विशेष प्रदर्शनियों का आयोजन करेगा।**
- **आदि तिरुवथिरई महोत्सव समृद्ध तमिल शैव भक्ति (63 नयनार) परंपरा का भी उत्सव है, जिसें चोलों द्वारा समर्थन दिया गया था।**

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

राजेंद्र चोल प्रथम :

- **पिता : राजराज प्रथम।**
- **राजधानी : गंगैकोण्ड चोलपुरम।**
- **उपाधि : गंगा घाटी पर विजय प्राप्त कर 'गंगईकोंडचोल' (गंगा पर विजय प्राप्त करने वाला चोल) की उपाधि धारण की।**
- **इस विजय से प्रेरित होकर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की राजधानी का नाम श्री विजयपुरम रखा गया था।**

चोल साम्राज्य :

- **चोल आरंभ में उरैयूर में पल्लवों के अधीन छोटे सामंत थे। वे 9वीं शताब्दी में विजयालय चोल के अधीन सत्ता में आए थे।**
- **मुख्य अभिलेख : उत्तरमेरुर अभिलेख (चोल प्रशासनिक प्रणाली और चुनावों का विवरण)**

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)

चर्चा में क्यों?

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दिसंबर, 2026 तक यूनेस्को से सदस्यता वापस लेने की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु :

यूनेस्को (UNESCO):

- **पूरा नाम :** संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन।
- **उद्देश्य :** शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर विश्व शांति और सुरक्षा में योगदान देना।
- **लक्ष्य :** अंतरसांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित करना, समावेशी समाज का निर्माण करना तथा सतत विकास और मानवाधिकारों से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना।
- **स्थापना :** 16 नवंबर, 1945
- **मुख्यालय :** फ्रांस की राजधानी पेरिस।
- **सदस्य देश :** 195 सदस्य देश और 8 सहयोगी सदस्य देश।
- **वर्तमान महानिदेशक :** ऑड्रे अज़ोले।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

अल्ट्रा लाइट प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन-V3 (ULPGM-V3)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले की नेशनल ओपन एरिया रेंज में ULPGM-V3 का सफल परीक्षण किया।

मुख्य बिंदु :

- इस मिसाइल का नाम 'अल्ट्रा लाइट प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन' (ULPGM-V3) हैं।
- **परीक्षण का उद्देश्य:** उड़ान भरते हुए UAV (ड्रोन) से मिसाइल लॉन्च का सफल परीक्षण करना।
- **मिसाइल की पीढ़ी:** यह ULPGM-V2 का अपग्रेडेड संस्करण है।
- **विकास:** DRDO और बेंगलुरु स्टार्टअप न्यूस्पेस रिसर्च टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सहयोगी कंपनियाँ:** अदाणी डिफेंस, भारत डायनैमिक्स लिमिटेड सहित 30 MSMEs और स्टार्टअप्स ने सहयोग किया।
- **मेक इन इंडिया:** इसका गाइडिंग सिस्टम, प्रोपल्शन और वॉरहेड भारत में ही डिज़ाइन और निर्मित हुआ हैं।

प्रमुख विशेषताएं:

- मैदानी और पहाड़ी इलाकों से दागा जा सकता है।
- दिन और रात दोनों समय में संचालन संभव।
- लॉन्च के बाद टारगेट बदला जा सकता है।
- इमेजिंग इंफ्रारेड से लैस, सटीक निशाना लगाती है।
- **लक्ष्य प्रकार:** आधुनिक टैंक, बख्तरबंद वाहन और बंकर नष्ट करने में सक्षम।
- **रणनीतिक महत्व:** लद्दाख जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया जा सकता है।
- दिन में 4 किमी, रात में 2.5 किमी तक मारक क्षमता।
- **वजन -** 12.5 किलोग्राम।
- **टेक्नोलॉजी:** फायर एंड फॉरगेट तकनीक पर आधारित।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

शेरपा मेचा : मानव रोबोट

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय रोबोटिक्स स्टार्टअप अति मोटर्स ने शेरपा मेचा नामक मानव रोबोट का विकास किया।

➲ मुख्य बिंदु :

- यह एक मानव-प्रेरित रोबोट है जिसे औद्योगिक उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- कंपनी ने 'शेरपा 10K' भी लॉन्च किया, जो एक भारी-भरकम स्वायत्त मोबाइल रोबोट (AMR) है जो मिलीमीटर स्तर की सटीकता के साथ पाँच टन तक का भार उठाने में सक्षम है। ये प्लेटफ़ॉर्म पहले से ही दक्षिण-पूर्व एशिया, अमेरिका और मेक्सिको में प्रति वर्ष 10 लाख से ज़्यादा स्वायत्त मिशन चला रहे हैं।

Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

मानवरूपी रोबोट :

- **सोफिया :** हैनसन रोबोटिक्स द्वारा निर्मित, सोफिया अपने मानव-समान रूप और व्यवहार के लिए जानी जाती है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) द्वारा संचालित है।
- **नाओ :** एल्डेबारन रोबोटिक्स (सॉफ्टबैंक रोबोटिक्स) ने नाओ विकसित किया, एक रोबोट जिसका उपयोग अक्सर शिक्षा और अनुसंधान में किया जाता है।
- **पेपर :** सॉफ्टबैंक रोबोटिक्स से ही पेपर को मानवीय भावनाओं को पहचानने और लोगों के साथ बातचीत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **रोबोनॉट :** नासा द्वारा विकसित रोबोनॉट्स को अंतरिक्ष में मनुष्यों के साथ काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उपकरणों को संभालने और अंतरिक्ष यात्रियों के लिए जोखिम भरे कार्य करने में सक्षम हैं।
- **फेडोरा :** रूस में विकसित इस रोबोट का उद्देश्य मानव शरीर की उपस्थिति और कुछ कार्यों की नकल करना है।
- **T-HR3 :** टोयोटा द्वारा विकसित इस रोबोट को मानव ऑपरेटर द्वारा दूर से नियंत्रित किया जा सकता है और इसे घर और स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **सुरेना :** सुरेना ईरान के तेहरान विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एक मानव सदृश रोबोट श्रृंखला है।
- **एटलस :** बोस्टन डायनेमिक्स द्वारा विकसित एटलस एक अत्यधिक उन्नत मानव सदृश रोबोट है जो दौड़ने, कूदने और बैकफ्लिप करने सहित कई प्रकार की शारीरिक गतिविधियों में सक्षम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत के मानवरूपी रोबोट :

- **व्योममित्र :** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा विकसित, व्योममित्र एक महिला मानवरूपी रोबोट प्रोटोटाइप है जिसका अनावरण भारत के गगनयान अंतरिक्ष मिशन के तहत किया गया है।
- **मित्रा :** इन्वेन्टो रोबोटिक्स द्वारा निर्मित मित्रा एक इंटरैक्टिव मानव सदृश रोबोट है जो ग्राहकों और आगंतुकों के साथ बातचीत कर सकता है। इसे अक्सर बैंकों और हवाई अड्डों में तैनात किया जाता है।
- **शालू :** भारत में पहली महिला मानव रोबोट, जो 100 प्रतिशत अपशिष्ट पदार्थों से बनी है। यह 47 भाषाएं बोलने में सक्षम है।
- **दक्ष :** DRDO द्वारा विकसित पहला आतंकवाद-रोधी रोबोट, जो बैटरी चालित प्रणाली, कैमरा, एक्स-रे उपकरणों और घुसपैठ के लिए शॉटगन से लैस है।
- **एसीयुट :** बिट्स पिलानी के छात्रों द्वारा निर्मित एसीयुट मानव सदृश रोबोटों की एक श्रृंखला है जो चलने, नृत्य करने और जटिल गतिविधियां करने में सक्षम है।
- **मानव :** A-सेट प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित मानव भारत का पहला 3D-मुद्रित मानवरूपी रोबोट है, जो नृत्य करने, फुटबॉल खेलने और अन्य गतिविधियां करने में सक्षम है।
- **केम्पा :** बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तैनात यह रोबोट उड़ानों, पर्यटन स्थलों और विरासत के बारे में दिशा-निर्देश और जानकारी प्रदान करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

कारगिल विजय दिवस

चर्चा में क्यों?

- भारत में प्रति वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

मुख्य बिंदु :

- इस दिवस को वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की जीत के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा (LoC) के भारतीय हिस्से में घुसपैठ की, जिसके प्रत्युत्तर में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी कब्जे वाले भारतीय इलाकों को वापस पाने के लिए 'ऑपरेशन विजय' की शुरुआत की।

- कारगिल विजय दिवस पर प्रति वर्ष नयी दिल्ली के इंडिया गेट स्थित अमर जवान ज्योति पर भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है।

'कारगिल विजय दिवस' और 'विजय दिवस' में अंतर:

दिवस:	विजय दिवस	कारगिल विजय दिवस
मनाया जाता है:	प्रति वर्ष 16 दिसंबर	प्रति वर्ष 26 जुलाई
उपलक्ष्य:	वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी और भारतीय वायुसेना द्वारा पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन के उपलक्ष्य में।	वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की जीत के उपलक्ष्य में
ऑपरेशन का नाम:	बांग्लादेश मुक्ति संग्राम, बिजॉय डिबोस	कारगिल संघर्ष, ऑपरेशन विजय
स्थान:	पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश)	कारगिल, जम्मू & कश्मीर (वर्तमान लद्दाख)
परिणाम:	भारतीय सेना की जीत, नव-स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लादेश का उदय।	भारत ने जीत हासिल की और कारगिल पर पुनः कब्ज़ा कर लिया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**चीफ मिनिस्टर्स फॉरेन लैंग्वेज इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल ह्यूमन टैलेंट (CM-FLIGHT)** ♦ हाल ही में, असम में बेरोजगारी की स्थिति को दूर करने और राज्य के बेरोजगार युवाओं के लिए विदेशी बाजार में रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से असम सरकार ने चीफ मिनिस्टर्स फॉरेन लैंग्वेज इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल ह्यूमन टैलेंट (CM-FLIGHT) योजना की शुरुआत की।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.

'को-माय'

- **हाल ही में, फिलीपींस के लूजोन द्वीप के पश्चिमी भाग में उष्णकटिबंधीय तूफान को-माय से व्यापक स्तर पर जान माल की हानि हुई।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR